शोध प्रतिवेदन के प्रति आभार

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी की समाजशास्त्र विषय में ''डाक्टर ऑफ फिलासफी'' की उपाधि प्राप्त करने के लिये प्रस्तुत किया जा रहा है। इस शोध प्रबन्ध की आधारशिला रखने हेतु सर्वप्रथम बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी की शोध समिति बधाई की पात्र है, जिसने प्रथम दृष्टया शोध की रूपरेखा/शोध संक्षिप्तिकी अनुमोदित करके अनुसन्धानकार्य हेतु मार्ग प्रशस्त कर मेरा उत्साहवर्द्धन किया है।

प्रत्येक नवीन कार्य के लिये कोई न कोई प्रेरणास्रोत अवश्य हुआ करता है। मुझे अनुसन्धानकार्य करने हेतु प्रेरित करने के लिये प्रेरणास्रोत अंकुरित करने का श्रेय मुख्य रूप से डॉ० (श्रीमती) किरन शर्मा जी, जो कि प्रवक्ता समाजशास्त्र हैं, को ही जाता है क्योंकि जैसे ही समाजशास्त्र विषय में मैंने प्रथमश्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की, तभी से आपने मुझे अनुसन्धानकार्य करने हेतु प्रेरित ही नहीं किया अपितु मेरी भेंट गुरूवर डॉ० आर०पी०निमेष, एम०ए०, पी०एच०डी० उपाचार्य डॉ० बी० आर० अम्बेडकर समाजविज्ञान संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी से करायी। आपने सहर्ष शोध शीर्षक चयन कराकर मेरी रूचि का शीर्षक अनुमोदित ही नहीं किया अपितु मेरा मार्गदर्शन करना भी सहज स्वीकार कर लिया, जिसके लिये मैं अपने मानस के गहरे भाव से आभार प्रकट करती हूँ। आपने निरन्तर मार्गदर्शन के साथ-साथ विषम परिस्थितियों में मुझे उत्साहित किया तथा जब भी आपसे अपेक्षा की आपने मुझे पर्याप्त समय और मार्गदर्शन प्रदान किया। एक बार पुनः मैं आपके विद्वतापूर्ण निर्देशन एवं पर्यवेक्षण के प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ तथा अपने-आप को सौभाग्यशाली समझती हूँ कि आपके जैसे विद्वान गुरू का शिष्यत्व मुझे प्राप्त करने का अवसर मिला।

मैं डॉ० एन०एन० अवस्थी, विभागाध्यक्ष, डॉ० बी०आर० अम्बेडकर समाजविज्ञान संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। मैं डॉ० एस०डी० सिंह, प्रोफेसर समाजशास्त्र, नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिकोहाबाद, डॉ० ए० के० श्रीवास्तव, प्रोफेसर समाजशास्त्र, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, डॉ० पाण्डेय, डायरेक्टर एण्ड प्रोफेसर, समाज विज्ञान

संस्थान, डॉ० बी०आर० अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा, डॉ० ज्ञानेन्द्र गौतम, निदेशक, सोशल वर्क स्कूल, बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी, भोपाल, डॉ० जे० पी० नाग, चेयरमैन, शोध समिति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, डॉ० (श्रीमती) संध्या सिंह, प्रवक्ता समाजशास्त्र, आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झाँसी एवं डॉ० पी०के० सिंह, प्रवक्ता समाजशास्त्र, महारानी लक्ष्मीबाई राजकीय महिला महाविद्यालय, झाँसी के प्रति भी हार्दिक आभार प्रकट करना अपना कर्त्तव्य समझती हूँ।

विशेष आभार एवं धन्यवाद श्री पी० के० श्रीवास्तव जी नगर उपायुक्त, नगर निगम झाँसी एवं श्री वी० के० वर्मा जी सहायक परियोजना अधिकारी, जिला नगरीय विकास अभिकरण, झाँसी का जिन्होंने शोधकार्य से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियाँ देकर मेरी सहायता की है।

मैं पूज्यनीय माता श्रीमती शान्ति शुक्ला एवं पिता श्री आर०आर० शुक्ला जी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे उच्चशिक्षा दिलवायी तथा शोधकार्य के दौरान मुझे पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन से मुक्त रखा तथा जिनके आशीर्वाद से मैं अपना शोधकार्य पूर्ण कर सकी।

मैं अपनी बहनों तथा भाईयों एवं समस्त इष्टमित्रों की भी आभारी हूँ जिन्होंने शोधकार्य करने में मेरा उत्साहवर्द्धन किया एवं अपना स्नेहाशीर्वाद प्रदान कर मेरा मार्ग प्रशस्त किया।

विशेष आभार एवं कृतज्ञताज्ञापन व धन्यवाद उन समस्त उत्तरदाताओं का जिन्होंने प्रथम दृष्टया नि:संकोच अपने व्यक्तिगत जीवन सम्बन्धी सूचनायें प्रदान कर मेरे अध्ययन को पूरा करने में सहायता की है। साथ ही उन समस्त महानुभावों, जिनके नामों का पृथक से उल्लेख करना यहाँ सम्भव नहीं हो सकता है, को पुन: पुन: धन्यवाद जिन्होंने मेरी आधी-अधूरी कँटीली राह को प्रकाशित कर जाज्वल्यमान बनाया है।

शोधकर्त्री

Vijayshree Shukla

(विजयश्री शुक्ला)